राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्य के स्वास्थ्य-सुविधाओं का तेजी से विकास हो रहा है-राज्यपाल

पटना, 14 फरवरी 2019

''राज्य में स्वास्थ्य–सेवाओं का तेजी से विकास हो रहा है। आज न संसाधनों की कमी है, न दृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव पूरे देश का नेतृत्व आज एक दूरदर्शी एवं सशक्त व्यक्तित्व के हाथों में है। नयी कल्याणकारी नीतियाँ भी बन रही हैं और उनका जनहित में तेजी से कार्यान्वयन भी हो रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र भी तेजी से विकसित हो रहा है। स्वास्थ्य–सुविधाओं या आर्थिक विपन्नता के कारण आज किसी का जीवन खतरे में नहीं पड़ सकता। 'आयुष्मान भारत' जैसी योजनाएँ गरीब और अभिवंचित वर्ग तक स्वास्थ्य–सेवाएँ उपलब्ध करा रही हैं।'' –उक्त वक्तव्य; महामहिम राज्यपाल, बिहार श्री लाल जी टंडन ने आज इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान के '5वें दीक्षांत समारोह' को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा जगत् में भी भारत की विरासत काफी समृद्ध रही है। उन्होंने कहा कि महर्षि चरक, सुश्रुत आदि की सेवाएँ एवं ग्रंथ विश्व चिकित्सा जगत् को भारत का अनमोल अवदान हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह गौरवपूर्ण है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी हम भारतीय परम्पराओं का परिपालन कर रहे हैं। भारतीय परिधान के रूप में 'मालवीय टोपी' 'दीक्षांत समारोह' के दौरान पहनने को भारतीय परम्परा के प्रति सम्मान के प्रकटीकरण का माध्यम बताते हुए श्री टंडन ने कहा कि हमारे प्रतिभावान विद्यार्थियों को अर्थोपार्जन के साथ–साथ सामाजिक सेवा की उदात्त भावना को भी हृदयंगम करना चाहिए। राज्यपाल ने महर्षि सुश्रुत को 'सर्जरी का जनक' बताया। राज्यपाल ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के डिग्री प्राप्तकत्ताओं में छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन को लेकर कहा कि यह तेजी से बदल रहे भारत की नयी तस्वीर है, जहाँ महिला सशक्तीकरण की अवधारणा तेजी से फलवती हो रही है।

कार्यक्रम में बोलते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि भारत के रक्त में ही विज्ञान विद्यमानता है। यही कारण है कि विज्ञान के सभी प्रक्षेत्रों में हमारी उपलब्धियाँ अनूठी हैं।

दीक्षांत–समारोह में पहुँचने के पूर्व राज्यपाल ने आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ के नवनिर्मित विस्तारित नर्सिंग कॉलेज भवन का भी उद्घाटन किया। राज्यपाल ने 'वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन पुस्तिका' तथा 'दूरभाष निर्देशिका' को भी लोकार्पित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि राज्य में विगत एक वर्ष में दर्जन भर मेडिकल कॉलेजों के निर्माण की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा कि कभी भी आर्थिक संसाधनों की कमी आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ के विकास में आड़े नहीं आएगी।

समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की कमी को दूर करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

समारोह में आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ के निदेशक डॉ॰ एन॰आर॰ विश्वास ने स्वागत–भाषण एवं संस्था का प्रगति–प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 138 मेडिकल छात्र–छात्राओं को पदक, प्रमाण–पत्र एवं डिग्रियाँ प्रदान की गईं। समारोह में आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ के डीन प्रो॰ एस॰ के शाही, डीन (परीक्षा) प्रो॰ के॰एच॰ राघवेन्द्र, रजिस्ट्रार डॉ॰ संगीता पंकज आदि भी उपस्थित थे।

.....